Fourteenth Loksabha

Session : 5
Date : 16-08-2005

Participants : Suman Shri Ramji Lal

>

Title : Situation arising out of abolition of reservation in private engineering and medical colleges as ordered by Hon'ble Supreme Court.*h

श्री रामजीलाल सुमन (फ़िरोज़ाबाद) अध्यक्ष महोदय, अभी उच्चतम न्यायालय ने निर्णय दिया है उसके अनुसार निजी मेडिकल कॉलेज और इंजीनियरिंग कालेज तथ अन्य प्रोबेशन कोर्सिस में केंद्र और राज्य सरकारों का जो आरक्षण होता है, वह पूरी तरह समाप्त हो गया है। इस तरह से इन इन निजी कॉलेजों को खुली छूट मिल जाएगी। ज्यादातर मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेज निजी क्षेत्र में हैं, यही परीक्षाएं आयोजित करेंगे और उन्हीं को प्रवेश देने का अधिकार होगा। उच्चतम न्यायालय के इस फैसले से सामाजिक रूप से पिछड़े और निर्बल वर्ग के छात्र वंचित रह जाएंगे । उच्चतम न्यायालय का यह फैसला प्राकृतिक और सामाजिक न्याय को खिलाफ है। मैं निवेदन करना चाहगा कि प्रधानमंत्री जी ने कई बार कहा है कि इस सरकार की वचनबद्धता है कि निजी क्षेत्र में आरक्षण देने का काम करेगी। उच्चतम न्यायालय को जो फैसला है इससे गरीब, पिछड़े और दलित लोगों को किसी भी कीमत पर पढ़ना मुश्किल हो जाएगा।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please take your seats. This is not right. I am going to allow a Calling Attention tomorrow. I have only allowed you to mention it and it has been recorded. Names of Shri Sushil Kumar Modi, Shri V. Radhakrishnan, Dr. Satyanarayan Jatia will be recorded as having been associated with this. I am allowing a Calling Attention tomorrow.

… (*Interruptions*)

श्री रामजीलाल सुमन : हम चाहते हैं कि 2सरकार तत्काल इसका निदान करे।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: The name of Dr. M. Jagannath will also be recorded.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: If you interrupt, I will adjourn the House.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I have allowed it to be raised. I have allowed your names to be recorded. Tomorrow, I am allowing a Calling Attention. There will be much more elaborate answer. Even then, you are not happy. The name of Dr. Jagannath is being recorded. What more can I do? I have allowed today as the first matter to be raised under Special Mentions. Tomorrow, I am allowing a Calling Attention. Even then you are not satisfied. What can be done?

… (*Interruptions*)

SHRI A. KRISHNASWAMY (SRIPERUMBUDUR): Sir, my name should also be associated. … (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Sonowal to speak. I would like to show you how many hon. Members are taking part in the proceedings.